Recommendations of Second United Nation Conference on Trade and Development

3720. DR. SUSHILA NAYAR :
SHRI A. SREEDHARAN :

Will the Minister pf FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state :

(a) whether Government are considering to give priority to certain recommendations of the 2nd UNCATAD Conference ; and

(c) if so, the details thereof ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) and (b). The attention of the Honourable Members is invited to the Statement by Shri Dinesh Singh, the then Minister of Commerce in Lok Sabha on the Second UNCTAD, laid on the Table of the House on the 1st April, 1968.

The Government attaches a high importance to all the recommendations of the Conference. In consonance with the recommendation of the Conference, which was reiterated by the General Assembly in its Resolution No. 2402 (XXIII), urging the Member States to devise and explore earnestly ways and means of assisting the continuing machinery of the Conference to discharge the responsibilities placed on it, the Government is maintaining pressure in the meetings of the continuing machinery of the Conference for an early implementation of the recommendations of the Conference.

Private Business Run by Army Officers

3721. SHRI NARENDRA SINGH MAHIDA : Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether any officers have been appointed in (i) the Infantry wing of the Army in 1962 and 1963, and (ii) the Ordanance wing of the Army in 1966 and 1967 ; who were running their own private business prior to their appointment as Commissioned Officers ;

(b) if so, the number of such officers in each of the two wings ; and

(c) the number of such officers who are even now running their same business either in their own names or in the names of their relations ?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SWARAN SINGH) : (a) to (c), According to the statistics available, three officers commissioned in the Infantry in 1962 and 1963 were, prior to their commissioning, carrying on private business. Under the Regulations of the Army, all personnel, irrespective of rank, are forbidden to engage in trade and no complaint about the violation of this provision has been received.

———

12.00 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Naxalites' Telegrams to China *Re.* Soviet on attack on Chinesse Frontier

श्री जार्ज फरनेन्डीज (बम्बई—दक्षिण) : अध्यक्ष महोदय, मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर गृह-कार्य मंत्री का ध्यान दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें:

"नक्सलपन्थियों द्वारा दिल्ली स्थित चीन के दूतावास के जरिये चीन के साम्यवादी दल, चीन सरकार और चीन की जनता को तार भेजे जाने का समाचार जिसमें "सोवियत साम्राज्यवादियों द्वारा चीन की सीमा पर सशस्त्र आक्रमण" की निन्दा की गई।"

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI Y. B. CHAVAN) : Mr. Speaker, Sir, Government's attention has been drawn to the issue dated March 13, 1969 of "Deshabroti" published from Calcutta in which it has been stated that on behalf of the All-India Coordination Committee of the Communist Revolutionaries, Shri Sushital Roy Choudhry had sent a telegram to the Chinese Communist Party, and the Government and the people of China, through the Chinese Embassy in Delhi. The text of the telegram, which was reproduced in the "Deshabroti", criticised the alleged armed attack on the Chinese frontier by the Soviet Union. Further inquiries in this matter are being made.

I am sure all sections of the House

would unreservedly condemn the expression of such views by an Indian citizen.

श्री आर्ज फरनेन्डीज : अध्यक्ष महोदय, चीन और रूस के बीज में आज जो लड़ाई चल रही है वह चीन ने हिन्दुस्तान के साथ पिछले दस-बारह वर्षों में जो संघर्ष चलाया, विशेषकर 1962 में हिन्दुस्तान पर जो आक्रमण हुआ, हमें उसकी याद दिलाती है। उस समय बहुत ही कम लोगों ने हमारे मुल्क का समर्थन किया था, और आज जो रूस के नेतागण हमारे देश में भी आ कर यह परेशानी व्यक्त कर रहे हैं कि हिन्दुस्तान पूरे ढंग से उनका समर्थन नहीं कर रहा है, उन्हें हमें याद दिलाना है कि जब चीन से हमारी लड़ाई हुई थी तब रूस ने यह भी कहा था कि 'भारत तो हमारा दोस्त है और चीन हमारा भाई है" उसका रिश्ता किसके साथ ज्यादा गहरा है यह रूस ने हमें उस समय बतलाया था।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (बलरामपुर) आज भाई-भाई लड़ते हैं।

श्री आर्ज फरनेन्डीज : आज जो परेशानी वह वक्त कर रहे हैं उस सम्बन्ध में मैं इतना ही कहूं कि रुमानिया जैसे देशों ने भी अभी जो वारसा पावर्स की मीटिंग हुई थी उसमें चीन और रूस के संघर्ष में किसी भी तरफ अपनी राय व्यक्त करने से और रूस का समर्थन करने से पूरा-पूरा इन्कार किया है। लेकिन मैं यह भी कहूँ कि अगर रूसी लोगों को चीन और...

MR. SPEAKER : Come to the telegram now.

श्री आर्ज फरनेन्डीज : अध्यक्ष महोदय, टेलीग्राम किस बात को ले कर है। अगर इस प्रश्न पर रूस यह चाहता है कि हिन्दुस्तान कुछ अपनी बातें कहे तो मैं इस पक्ष में हूं कि रूसियों के साथ जरूर बात चलाई जाय, लेकिन वह बात चीन हमारे देश की 50 हजार वर्ग मील भूमि चीनियों के हाथ में है इसको मद्दे नजर रख कर चलाई जाय, तिब्बत की आजादी, जिसको ले कर सभी लोगों ने, विशेष कर रूसियों ने भी, हम लोगों का मजाक उड़ाया था, उसके प्रश्न को भी मद्दे नजर रख कर चलाई जाय।

इस मुल्क के उन लोगों को, सरकारी पार्टी से लेकर अन्य दलों तक, जो हमारी भूमि के बारे में कभी-कभी ऐसा दृष्टिकोण रखते हैं कि कच्चा तिब्बू तो एक वर्ग मील है, कच्छा का रण तो दलदल है, हिमालय तो पहाड़ है, और हमारी धर्ती को ले कर इस किस्म की भावना व्यक्त करते हैं, मैं याद दिलाता हूँ कि आज चीन और रूस दोनों एक वर्ग मील धरती के प्रश्न को लेकर "हमारी पवित्र भूमि" जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। रूस भी कहता है 'हमारी पवित्र भूमि" और चीन भी कहता है "हमारी पवित्र भूमि"। मैं चाहता हूं कि प्रधान मन्त्री और विदेश मन्त्री उन लोगों से भूमि कितने पवित्र है इस बारे में एक आध सबक लें।

यह तो मेरी प्रस्तावना रही। अब मैं सवाल पूछना चाहता हूं। चीन का जो दूतावास हिन्दुस्तान में है उसके जरिये कई ऐसे कारनामे यहां पर हुए हैं, जो मैं समझता हूं, इस मुल्क की आजादी के हित नहीं हैं। अभी चन्द दिन पहले केरल के विधान सभा में श्री नम्बूदरीपाद ने यह बताया था कि केरल के किसी अखबार में चीनी दूतावास के जरिये पीकिंग रेडियो का का विज्ञापन छपता है। मैं जानना चाहता हूं कि जब इस तरह की चीजें चल रही हैं, तो क्या आप को कभी इस बात की जानकारी नहीं हुई ? इतना बड़ा— गृह मंत्रालय का कार्य मंत्री महोदय चलाते है लेकिन इस बात की जानकारी नहीं हुई और केरल के मुख्य मंत्री को इस बात को जानकारी सामने रखना पड़ा। जो दूतावास हिन्दुस्तान में हैं, विशेषकर चीनी दूतावास, इस तरह के तार देते हैं। आज चीन भारतवर्ष से भले ही लड़ाई की अवस्था में न हो, लेकिन दुश्मनी की स्थिति जरूर है। इसको छिपाने की आवश्यकता नहीं है। क्या इस किस्म के सन्देशों को चीन सरकार को या चीन की

[श्री जार्ज फरनेन्डीज]

साम्यवादी पार्टी को या किसी और को भेजने पर सरकार कोई लगाम लगाने का प्रयास करेगी ?

SHRI Y. B. CHAVAN : It is very difficult to stop communication in the country itself. Of course, what the Chinese Embassy communicates and how it communicates with its own government, it is a different matter altogether. I do not think we can control that either. About this telegram, it has been published in their own newspaper.

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : क्या प्रधान मंत्री या विदेश मंत्री पवित्र भूमि के बारे में कुछ कहेंगे ?

श्री जार्ज फ़रनेन्डीज : विज्ञापन के बारे में कुछ खुलासा होना चाहिये। श्री नम्बूदरीपाद ने कुछ खुलासा किया, कुछ आप भी कीजिये।

SHRI Y. B. CHAVAN : Possibly, if you give notice of a question, I will come prepared with all facts and figures.

MR. SPEAKER : The question is very pertinent and very important also. But it is on a different subject. This Calling Attention relates to the telegram.

श्री मधु लिमये : विज्ञापन के बारे में भी हम लोगों ने कहा है।

MR SPEAKER : The telegram has been sent. It has not been denied by the government. The contents of the telegram have also been read.

SHRI ATAL BEHARI VAJPAYEE : What action has been taken ?

MR. SPEAKER : I have no objection to that being discussed separately. Then questions were asked about our attitude on the questions of Rumania and Tibet. Now, all of them cannot be discussed on a Calling Attention which is about a telegram. You can take some other opportunity for raising that very relevant and important matter ; but not on this occasion.

श्री जार्ज फरनेन्डीज : आप इस पर एक ध्यान आकर्षण प्रस्ताव स्वीकार कीजिये। हम रोज पेश कर रहे हैं ?

SHRI RANGA (Srikakulam) : What about the remarks made by the Chief Minister of Kerala ? Certainly, that is very relevent and the Home Minister can make the position clear.

MR SPEAKER : That is a different matter.

श्री मधु लिमये : बेरी कमिशन के बारे में मैंने सवाल पूछा था। उसके बारे में वचन दिया गया था कि सदन को जानकारी दी जाएगी। राजस्थान में आग लगने का खतरा उत्पन हो गया है ; आपने . . . . . .

MR. SPEAKER : I have disallowed it. Nothing will be taken down.

SHRI MADHU LIMAYE : **

MR. SPEAKER : It shall not be answered Shri Dhillon.

COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

Twenty-Seventh Report

SHRI G. S. DHILLON (Taran Taran) : Sir, I beg to present the Twenty-seventh Report of the Committee on Public Undertakings on Hindustan Cables Limited, [Paras in Section II of Audit Report (Commerical) 1968].

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

Fifty-fourth Report

SHRI M. R. MASANI (Rajkot) : Sir, I beg to present the Fifty-fourth Report of

**Not recorded.